

# GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 6

CHAPTER NAME:GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

**PPT 1**

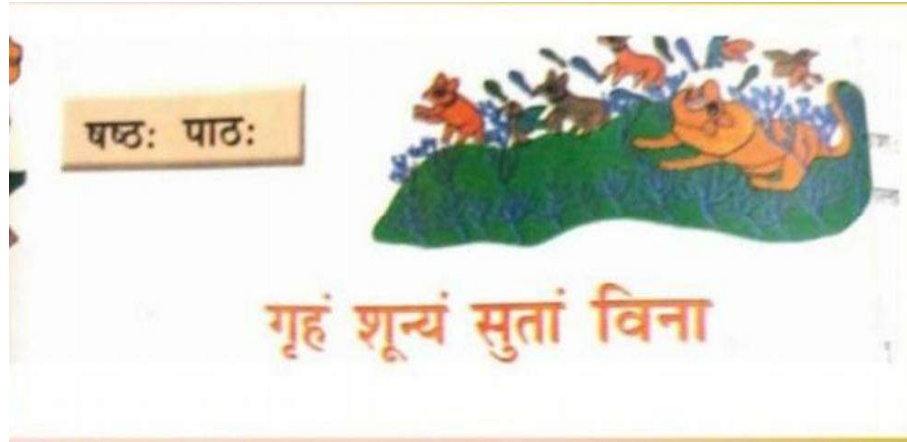


CHANGING YOUR TOMORROW

Website: [www.odmegroup.org](http://www.odmegroup.org)  
Email: [info@odmps.org](mailto:info@odmps.org)

Toll Free: **1800 120 2316**

Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024



## Expected Learning Outcome

पुत्रः कन्या च मातुः निकषा सम

विशेष उद्देश्य : (Specific Objective)

- १.संस्कृतभाषायाम् अभिरुचिः उत्पादनम् ।
- २.श्रवण-भाषण-लेखन-पठनकौशलानां सम्पादनम् ।
- ३.छात्राणां शब्दभण्डारस्य विकासः।





[यह पाठ कन्याओं की हत्या पर रोक और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने की प्रेरणा हेतु निर्मित है। समाज में लड़के और लड़कियों के बीच भेद-भाव की भावना आज भी समाज में यत्र-तत्र देखी जाती है। जिसे दूर किए जाने की आवश्यकता है। संवादात्मक शैली में इस बात को सरल संस्कृत में प्रस्तुत किया गया है]

“शालिनी ग्रीष्मावकाशे पितृगृहम् आगच्छति। सर्वे  
प्रसन्नमनसा तस्याः स्वागतं कुर्वन्ति परं तस्याः भ्रातृजाया  
उदासीना इव दृश्यते”

अनुवाद-

ग्रीष्म अवकाश (गर्मी की छुट्टी) में शालिनी पिता के घर आती है  
सभी प्रसन्न मन से उसका स्वागत करते हैं किंतु उसकी भाभी  
उदास दिखाई देती है

शालिनी- भ्रातृजाये! चिन्तिता इब प्रतीयसे,सर्व कुशलं खलु?

अनुवाद-

शालिनी -भाभी | चिंतित सी प्रतीत हो रही है (कुछ परेशान से लग रही हो )सब कुछ कुशल तो है

माला - आमू शालिनि! कुशलिनी अहम्। त्वदर्थ किम्

आनयानि, शीतलपेयं चायं वा?

अनुवाद-

माला- हां शालिनी मैं कुशलन हूं तुम्हारे लिए क्या लाऊं ठंडी पेय या



राकेश:- भगिनि शालिनि! दिष्ट्या त्वं समागता। अद्य मम कार्यालये एका महत्त्वपूर्णा गोष्ठी सहसैव निश्चिता। अद्यैव मालायाः चिकित्सिकया सह मेलनस्थ समयः निर्धारितः त्वं मालया सह चिकित्सिकां प्रति गच्छ, तस्याः परामर्शानुसारं यद्विधेयं तद् सम्पादय।

**अनुवाद-**

राकेश बहन शालिनी भाग्य से तुम आ गई हो मेरे कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण गोष्ठी अचानक ही निश्चित हुई है। आज ही माला का चिकित्सिका के साथ मिलने का समय निर्धारित है। तुम माला के साथ चिकित्सिकों के पास चली जाओ उसके परामर्श के अनुसार जो करना हो वह करो।

'शालिनी- किमभवत्? भ्रातृजायायाः स्वास्थ्यं समीचीनं नास्ति? अहं तु हाः प्रभृति पश्यामि सा स्वस्था न प्रतिभाति इति प्रतीयते समा ।

**अनुवाद-**

शालिनी - क्या हुआ? भाभी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है क्या? मैं तो कल से देख रही हूं ऐसा लग रहा था जैसे वह स्वस्थ नहीं हैं

राकेश:- चिन्तायाः विषयः नास्ति। त्वं मालया सह गच्छ। मार्गं सा सर्वं ज्ञापयिष्यति।

**अनुवाद-**

राकेश- चिंता की कोई बात नहीं है तुम माला के साथ जाओ रास्ते में वह सब कुछ बता देगी

राकेश:- भगिनि शालिनि! दिष्ट्या त्वं समागता। अद्य मम  
कार्यालये एका महत्त्वपूर्णा गोष्ठी सहसैव निश्चिता। अद्यैव  
मालायाः चिकित्सिकया सह मेलनस्थ समयः निर्धारितः त्वं  
मालया सह चिकित्सिकां प्रति गच्छ, तस्याः परामर्शानुसारं  
यद्विधेयं तद् सम्पादय।

**अनुवाद-**

राकेश बहन शालिनी भाग्य से तुम आ गई हो मेरे कार्यालय में आज  
एक महत्वपूर्ण गोष्ठी अचानक ही निश्चित हुई है। आज ही माला का  
चिकित्सिका के साथ मिलने का समय निर्धारित है। तुम माला के  
साथ चिकित्सिकों के पास चली जाओ उसके परामर्श के अनुसार  
जो करना हो वह करो।

१. शालीनि ग्रीष्मावकाशे कुत्र गन्तुम् इच्छति ?
२. शालीनि भ्रातृजायाम् किम् वदति ?
३. भोजन काले कस्या मनोवस्था स्वस्था न आसीत् ?
४. शालीन्याः भ्रातुः नाम किम् ?
५. भ्रातृजायाया शरीरम् किदृशम् अस्ति ?

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP

---

CHANGING YOUR TOMORROW

---

Website: [www.odmegroup.org](http://www.odmegroup.org)  
Email: [info@odmps.org](mailto:info@odmps.org)

Toll Free: **1800 120 2316**  
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024